एशियाई महिला हॉकी प्रतियोगिता कराने 18.74 करोड़ स्वीकृत

कैबिनेट का निर्णय: विभिन्न विकास योजनाओं पर 2,480 करोड़ रुपये खर्च किए जाएँगे

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मंत्रिपरिषद ने अक्टूबर 2026 में भोपाल के बरखेड़ा नाथू स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित होने वाली महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 18 करोड़ 74 लाख रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी। प्रतियोगिता में एशिया की छह प्रमुख महिला टीमों के लगभग 200 खिलाड़ी और सहयोगी दल के शामिल होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना विस्तार और जनकल्याण को गति देने के उद्देश्य से लगभग 2 हजार 480 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में खेल, सिंचाई, सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, कर्मचारी कल्याण और किसान हित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी पार्कों के संचालन को वर्ष 2031 तक जारी रखने के लिए 595 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। इसके माध्यम से 8 हजार से अधिक

युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। साथ ही भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल में ड्रोन प्रौद्योगिकी आधारित उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना सहित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 857 करोड़ 21 लाख रुपये स्वीकृत किए गए।

बैठक में ग्वालियर में विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का नया वृत्त कार्यालय स्थापित करने और नारायणगढ़ में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सहित नौ नए पदों के सृजन को स्वीकृति प्रदान की गई। आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के संचालन के लिए 129 करोड़ 12 लाख रुपये मंजूर किए गए। इसके अलावा समर्थन मूल्य पर किसानों को बोनस भुगतान योजना की निरंतरता तथा मध्यप्रदेश विधिक माप विज्ञान नियम, 2011 में संशोधन को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

महिला सशक्तिकरण के तहत संकल्प महिला सशक्तिकरण केंद्र, शक्ति सदन और सखी निवास योजनाओं के लिए 198 करोड़ 59 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। कर्मचारी कल्याण, पेंशन, भविष्य निधि और बीमा योजनाओं के संचालन के लिए 982 करोड़ 49 लाख रुपये की मंजूरी भी दी गई।

सिंगरौली की रिहंद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के संचालन के लिए 111 करोड़ 4 लाख रुपये तथा मंदसौर की मल्हारगढ़ दाबयुक्त वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिए 184 करोड़ 20 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। इन परियोजनाओं से हजारों हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा।

प्रदेश में आज मनेगा महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व, मेधावियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई को प्रदेशभर में महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा और मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में गुरु-पूजन, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम, छात्र-शिक्षक संवाद तथा भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित विविध गतिविधियां आयोजित होंगी। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार एवं श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीराम तिवारी ने बताया कि श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा आयोजित इस योजना के अंतर्गत भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14

विद्याओं, 64 कलाओं, महर्षि सांदीपनि तथा भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित होगी। योजना के तहत 102 मेधावी छात्र-छात्राओं को एक-एक लाख रुपये की एकमुश्त छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इनमें 51 विद्यार्थी विद्यालयों तथा 51 विद्यार्थी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों से चयनित होंगे। प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व निर्माण में महर्षि सांदीपनि की शिक्षा, संस्कार और अनुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसी आदर्श को आधार बनाकर विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान, संस्कृति, साहित्य, दर्शन और नवाचार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा सभी शिक्षण संस्थानों से इस सांस्कृतिक अभियान में सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय गुरु परंपरा के शिल्पी महर्षि सांदीपनि सहित महर्षि सांदीपनि श्रीकृष्ण विद्यांजलि और सर्वांग पुस्तकों का लोकार्पण भी किया जाएगा। साथ ही महर्षि सांदीपनि के जीवन पर आधारित एक ई-पुस्तिका प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों को उपलब्ध कराई जाएगी।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की शुभकामनाएं

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन का संकल्प लेने का आह्वान किया है। आपने संदेश में कहा कि प्रकृति का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की नींव है।

ट्विशा प्रकरण में दोनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः ट्विशा प्रकरण में मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो की विशेष अदालत में दोनों आरोपियों गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई।

सुनवाई के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ा दी। सुनवाई के दौरान ट्विशा के पिता और भाई भी अदालत में उपस्थित रहे। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि आरोपियों की ओर से अदालत में कहा गया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो का यह दावा सही नहीं है कि उन्होंने वॉइस सैंपल देने में सहयोग नहीं किया। बचाव पक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि वॉइस सैंपल लेने के दौरान जांच अधिकारियों का व्यवहार उचित नहीं था और इस संबंध में अपनी आपत्ति दर्ज कराई। अधिवक्ता के अनुसार अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि वॉइस सैंपल से जुड़े तर्क पहले जमानत आवेदन की सुनवाई के दौरान भी उठाए जा चुके हैं। चूंकि उस आवेदन पर निर्णय हो चुका है, इसलिए वर्तमान न्यायिक हिरासत की सुनवाई में इस मुद्दे का कोई औचित्य नहीं है। हालांकि अदालत ने इस संबंध में लिखित आदेश में कोई टिप्पणी दर्ज नहीं की।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने न्यायिक हिरासत बढ़ाने का भी विरोध किया। उनका कहना था कि केंद्रीय जांच ब्यूरो ने हिरासत बढ़ाने के लिए कोई नया आधार प्रस्तुत नहीं किया है। इस पर केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अदालत को बताया कि प्रकरण की जांच अभी जारी है। जांच प्रभावित होने की आशंका के कारण गवाहों से पूछताछ और दर्ज किए गए बयानों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। इसके बाद अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो का आवेदन स्वीकार करते हुए दोनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 11 अगस्त तक बढ़ाने के आदेश दिए।

सावन में कावड़ यात्रियों को हर 15-20 किलोमीटर पर मिलेगी भोजन प्रसादी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की समीक्षा बैठक में सावन के दौरान निकाली जाने वाली कावड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक 15 से 20 किलोमीटर की दूरी पर भोजन प्रसादी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुविधा केंद्र भी स्थापित किए जाएं तथा इस व्यवस्था में धार्मिक संस्थाओं के सहयोग और जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगोरिया मध्यप्रदेश का विशिष्ट उत्सव है। अगले वर्ष आयोजित होने वाले भगोरिया की तिथियां पहले से घोषित कर उसका राष्ट्रीय स्तर पर

व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में पर्यटन विभाग की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई जारी है।

उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन विभाग, वन विभाग और संस्कृति विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, जिससे पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हो तथा ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में संचालित होम स्टे को बढ़ावा मिल सके। साथ ही निजी निवेश से जुड़ी अनुमतियों में अनावश्यक विलंब नहीं किया जाए।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग और ग्रीन फील्ड क्षेत्रों के समीप विकसित होने वाले मार्ग सुविधा केंद्रों में चिकित्सालय, आघात उपचार केंद्र, पेट्रोल पंप तथा विद्युत वाहन चार्जिंग केंद्र जैसी सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के प्रमुख शहरों में निजी निवेश से कन्वेंशन सेंटर विकसित करने तथा धार्मिक पर्यटन स्थलों तक आवागमन और आधारभूत व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर नागरिकों को स्वच्छता अपनाने का दिया संदेश

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर कहा है कि यह दिवस जागरूक करता है कि हेपेटाइटिस से बचाव के लिए दूषित भोजन, पानी आदि के सेवन से हमें बचना चाहिए। हेपेटाइटिस से बचाव के लिए, शुरुआत से ही पीड़ित की पर्याप्त चिकित्सा आवश्यक है। डॉ. यादव ने हेपेटाइटिस दिवस पर अपने संदेश में कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हम शुद्ध भोजन, पानी का ही उपयोग करें, साथ ही दूसरों को भी आवश्यक सावधानियां अपनाने के लिए प्रेरित करें।

गुरु रविदास जयंती पर समरसता संकल्प अभियान चलाएगी भाजपा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 जुलाई से 20 फरवरी 2027 तक प्रदेश सहित देशभर में समरसता संकल्प अभियान चलाया जाएगा।

अभियान पांच चरणों में आयोजित होगा, जिसकी शुरुआत गुरु पूर्णिमा पर समरसता दीपोत्सव से होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 62 संगठनात्मक जिलों, 1313 मंडलों तथा 21 हजार स्थानों पर एक साथ दीपोत्सव आयोजित किया जाएगा। जहां गुरु रविदास मंदिर हैं, वहां तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर गुरु रविदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में अभियान के कार्यक्रम आयोजित होंगे। डॉ. सोलंकी ने बताया कि दूसरे चरण में वाराणसी स्थित सीर गोवर्धनपुर से गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली की पावन मिट्टी से भरे कलश मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। यह कलश यात्रा सिंगरौली से प्रदेश में प्रवेश कर सीधी, रीवा, सतना, मैहर, कटनी, दमोह, सागर, विदिशा और रायसेन होते हुए भोपाल पहुंचेगी। इसके बाद प्रदेश के सभी 62 संगठनात्मक जिलों के लिए अलग-अलग कलश भेजे जाएंगे।

उन्होंने बताया कि अभियान के अन्य चरणों में समरसता यात्रा, संत संपर्क अभियान तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में संपर्क अभियान चलाया जाएगा।

वायरल गर्ल प्रकरण में उच्च न्यायालय का संरक्षण जारी

अदालत की अनुमति के बिना युवती को कहीं नहीं ले जाएगी पुलिस

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः अंतरधार्मिक विवाह से जुड़े चर्चित वायरल गर्ल प्रकरण में केरल उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा है कि युवती को अदालत की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति के हवाले नहीं किया जाएगा। साथ ही उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर भी नहीं ले जाया जा सकेगा। न्यायालय ने अगली सुनवाई तक उसे प्रदान की गई पुलिस सुरक्षा जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के उस आदेश पर भी हैरानी जताई, जिसमें युवती को विधि अनुसार मध्यप्रदेश पुलिस को सौंपने तथा संशोधित जन्मतिथि से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। न्यायालय ने पूछा कि जब मामला पहले से उसके समक्ष विचाराधीन है तो आयोग ऐसा आदेश कैसे जारी कर सकता है।

न्यायालय ने एर्नाकुलम सेंट्रल थाना प्रभारी द्वारा सीधे उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को पत्र भेजने पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। न्यायालय ने कहा कि ऐसे मामलों की जानकारी सरकारी अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत की जानी चाहिए थी।

सुनवाई में यह भी बताया गया कि जन्मतिथि से जुड़ा विवाद पहले से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित है। न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता के तर्क विचारणीय हैं। अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी। तब तक युवती को पुलिस संरक्षण मिलता रहेगा और अदालत की अनुमति के बिना उसे किसी के हवाले नहीं किया जाएगा।

घायल बाघ 'युवराज' का वन विहार में इलाज जारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः खिवनी अभ्यारण में जन्मा और वर्षों तक पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा 'युवराज' बाघ अब वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में उपचाराधीन है।

वन विभाग के अनुसार, लगभग एक दशक पुराने इस बाघ ने खिवनी अभ्यारण में बाघों की संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हाल ही में उसकी टेरीटरी में एक युवा बाघ के प्रवेश के बाद हुए संघर्ष में वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिससे उसके लिए चलना-फिरना भी मुश्किल हो गया।

स्थिति को देखते हुए वन विभाग ने 27 जून को विशेष रेस्क्यू अभियान चलाकर विपरीत परिस्थितियों में युवराज को सुरक्षित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान

पहुंचाया। जांच में उसके आगे के दोनों पंजों में फ्रैक्चर तथा आगे के दोनों पैरों और पिछले बाएं पैर में गहरे घाव पाए गए। पिछले पैर के गंभीर घाव पर छह टांके लगाए गए हैं। वन विहार की विशेषज्ञ टीम लगातार उसकी निगरानी कर उपचार कर रही है।

वन विभाग के अनुसार, करीब एक माह के उपचार के बाद युवराज के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार दिखाई दे रहा है।

मंत्रालय की गुफ्तगु...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• ऊपर से आए फोन ने बदला गणित....

लंबे समय से साहब को उम्मीद थी कि आज नहीं तो कल उन्हें मुखिया बनने का मौका मिल ही जाएगा, लेकिन किस्मत ऐसी रही कि चौघड़िया सहित सभी ग्रहों की चाल उनके मनमाफिक होने के बाद भी आखिरी समय में ऊपर से आए एक फोन ने पूरा गणित बिगाड़ दिया।

• मुख्यधारा में वापसी से बढ़ा उत्साह...

लंबे समय से लूप लाइन में समय काट रहे एक साहब को प्रदेश के प्रशासनिक बदलाव के चलते एक बार फिर मुख्यधारा में लौटने का अवसर मिला। जबकि साहब उम्मीद छोड़ चुके थे, लेकिन वापसी से वे उत्साह से लबरेज हैं और कुछ कर गुजरने का भाव लेकर मैदान में उतरेंगे।

• बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले...

पिछले दिनों हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल में एक बड़े साहब की सबसे ताकतवर मंजिल से विदाई बहुत दुखदायी रही। कल तक जो लोग साहब के इर्द-गिर्द मंडराते हुए बधाइयां देते थे, वे सभी अचानक गायब हो गए। साहब विदाई के समय जाने से पहले भवन को देर तक निहारते हुए शायद यही गुनगुना रहे थे।

• किसी की ताकत बढ़ी, किसी की...

लंबे समय से विभाग में सबसे ज्यादा जिम्मेदार काम के लिए माने जाने वाले एक बड़े साहब की अचानक विभाग से विदाई समझ नहीं आ रही। पिछले दिनों हुए फेरबदल में साहब से उनका पसंदीदा विभाग अचानक ले लिया गया। कारण साहब को भी समझ नहीं आ रहा है।

• कहीं खुशी, कहीं गम...

अचानक हुई एक बड़ी प्रशासनिक सर्जरी के बाद कुछ जिलों में जिलाधिकारियों के तबादले के कारण जनता दुखी और माननीय जनप्रतिनिधियों के चेहरों पर खुशी नजर आई। कहीं खुशी, कहीं गम का कारण भी है कि जिलाधिकारी महोदया आम आदमी के लिए बहुत सहज रहीं और जनकल्याणकारी योजनाएं जनता तक पहुंचाने के कारण लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। परंतु माननीय जनप्रतिनिधि जनकल्याण में अपनी उपस्थिति और चुन-चुनकर योजनाओं का लाभ दिलाने का दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। जिलाधिकारी ऐसे मामलों में जनहित पहले, जनप्रतिनिधि बाद में की नीति पर चलती हैं।

• भरोसा करते-करते वे बेसहारा हो गए....

इन दिनों मंत्रालय के एक विभाग में बैठे एक साहब न तो किसी से मिल रहे हैं और न ही किसी से वार्तालाप उन्हें रास आ रहा है। कारण यह है कि लंबे समय से उन्हें फील्ड में पोस्टिंग का भरोसा तो दिया गया, लेकिन पोस्टिंग हुई नहीं। जिनके भरोसे थे, उनकी भी मध्यप्रदेश से विदाई हो गई। इसलिए साहब इतने दुखी हैं कि वे न तो किसी से मिल रहे हैं और न ही वार्तालाप कर रहे हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com